IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

शोधार्थी शंकर लाल - शोध निर्देशक डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना है अध्ययन हेतु राजस्थान राज्य में भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 100 (50 राजकीय एवं 50 गैर राजकीय) उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को चुना गया। शोध विधि के रूप में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया एवं आंकड़ों के एकत्रीकरण के लिए शोधार्थी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 8वीं के बोर्ड परीक्षा प्राप्तांकों का प्रयोग किया गया है। शोध विश्लेषण के बाद यह पता लगा कि भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर है। भरतपुर जिले के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि गैर– राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की अपेक्षा बेहतर है।

➢ प्रस्तावनाः–

शिक्षा सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति का एक साधन है जिसमें समाज अपने ही अस्तित्व को सुनिश्चित करता है शिक्षा व्यक्ति के जीवन को तार्किक बनाती है और अच्छे बुरे की समझ पैदा कर निष्पक्ष निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है प्रत्येक राष्ट्र और प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में उच्च प्राथमिक शिक्षा प्रथम अनिवार्यता की वस्तु है यह पहली सीढ़ी है जिसे सफलतापूर्वक पार करके ही कोई राष्ट्र अपने अभीष्ट लक्ष्य तक पहुंचता है कहा जाता है कि राष्ट्रीय जीवन के साथ जितना घनिष्ठ संबंध उच्च प्राथमिक शिक्षा का है उतना माध्यमिक शिक्षा या उच्च शिक्षा का नहीं है उच्च प्राथमिक शिक्षा का राष्ट्रीय विचारधारा और चरित्र निर्माण में बहुत योगदान है।

➢ समस्या कथनः–

राजकीय एवं गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

➢ शोध के उद्देश्यः–

शोध के निम्न उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं–

1. भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
2. भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर राजकीय के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
3. भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

➢ **शोध अध्ययन का परिसीमनः–**

प्रस्तुत शोध को निम्नानुसार परिसीमित किया गया है।

1. प्रस्तुत शोध राजस्थान राज्य के भरतपुर जिले तक सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध राजस्थान राज्य के भरतपुर जिले में संचालित राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों तक सीमित है।
3. प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 8वीं के 100 (50 राजकीय एवं 50 गैर–राजकीय) उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों तक सीमित है।

➢ **तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरणः–**

1. **उच्च प्राथमिक विद्यालय** – उच्च प्राथमिक विद्यालयों से आशय कक्षा आठवीं तक की शिक्षा प्रदान करने वाले विद्यालयों से है।
2. **शैक्षिक उपलब्धि**– शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्यनरत विद्यार्थियों के विभिन्न विद्यालय विषयों में उनकी शैक्षिक सम्प्रत्ति को शैक्षिक उपलब्धि माना गया है।

➢ **शोध प्रविधिः–** प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अपने शोधकार्य में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

➢ **शोध उपकरणः–** प्रस्तुत शोध में आंकड़ों के संकलन हेतु उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा प्राप्तांको का प्रयोग किया है।

➢ **न्यादर्शः–** प्रस्तुत शोध में राजस्थान राज्य में भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों से कक्षा 8वीं के 100 (50 राजकीय एवं 50 गैर राजकीय) विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक चयन विधि द्वारा चयन किया गया हैं।

➢ **शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीः–** प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित सांख्यकीय विधियों का प्रयोग किया गया है –

1. मध्यमान
2. मानक विचलन
3. टी परीक्षण

आंकड़ों का विश्लेषणः– भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों के बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांकों का मध्यमान मानक विचलन एवं टी – अनुपात–

तालिका क्रमांक –1

परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	मुक्तांश (DF)	टी – अनुपात	सार्थकता स्तर
राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि	50	13.82	3.86	98	8.03	.0=2.63
गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि	50	7.72	3.69			

तालिका क्रमांक –1 : अतः परिकल्पना भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है को अस्वीकार किया जाता है। उपरोक्त तालिका क्रमांक 1 से स्पष्ट है कि गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की तुलना में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक पाई गई है।

आंकड़ों का विश्लेषणः– भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 8वीं कक्षा के छात्रों के बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांकों का मध्यमान मानक विचलन एवं टी – अनुपात–

तालिका क्रमांक –2

परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	मुक्तांश (DF)	टी – अनुपात	सार्थकता स्तर
राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि	25	14.56	4.29	50	6.37	.01=2.68
गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि	25	7.68	3.32			

तालिका क्रमांक–2 अतः परिकल्पना भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है को अस्वीकार किया जाता है उपरोक्त तालिका क्रमांक 2 से स्पष्ट है की गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की तुलना में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक पाई गई है।

आंकड़ों का विश्लेषणः– भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 8वीं कक्षा के छात्रों के बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांकों का मध्यमान मानक विचलन एवं टी – अनुपात–

तालिका क्रमांक –3

परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	मुक्तांश (DF)	टी – अनुपात	सार्थकता स्तर
राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि	25	12.91	3.03	46	5.10	.01=2.69
गैर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि	25	7.76	4.02			

तालिका क्रमांक–3 अतः परिकल्पना भरतपुर जिले के राजकीय एवं गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है को अस्वीकार किया जाता है उपरोक्त तालिका क्रमांक 3 से स्पष्ट है कि गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की तुलना में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक पाई गई हैं।

➢ निष्कर्षः–

प्रस्तुत शोध अध्ययन के आधार पर निष्कर्ष निकलता है कि गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षक शैक्षिक एवं भौतिक सुविधाओं का अभाव शिक्षा के अतिरिक्त अन्य कार्य को दिया जाना है जिससे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होती है इस समस्या से बचने के लिए गैर–राजकीय उच्च प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

❖ संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

डॉ. सी.सी. भटनागर (267) अध्यापक शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर आगरा

सक्सेना मिश्रा मोहती (2007) अध्यापक शिक्षा और लाल बुक डिपो मेरठ

आर्य शर्मा (2006) शिक्षा अनुसंधान और लाल बुक डिपो मेरठ

डॉ. रामपाल सिंह (2005) शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी विनोद पुस्तक मंदिर आगरा

पारस राय (2006) अनुसंधान परिचय लक्ष्मी नारायण अग्रवाल आगरा

सरीन एवं सरीन शैक्षिक अनुसंधान विधियां विनोद पुस्तक मंदिर आगरा